

नार्मदीय ब्राह्मण समाज का परिवार मिलन एवं सम्मान समारोह संपन्न

नपाअध्यक्षा ने समाजजनों की मांग पर त्रिकोण चौराहे का नाम नर्मदा चौराहा साथ ही वहां नर्मदा जयंती के पूर्व मां नर्मदा जी की प्रतिमा स्थापित की घोषणा की

दैनिक केसरिया हिन्दुस्तान आशीर्वाद
शर्मा 9977848634

सनावद। स्थानीय नार्मदीय ब्राह्मण समाज इकाई द्वारा रीवरवार को राजपुत छात्रावास में तहसील इकाई परिवार मिलन, पंडितजन, सनावद इकाई व आसपास के ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत नार्मदीय मंदिर पुजारी, परसाई, कर्मकांडी, वैदिक पंडित, ज्योतिष, कथा वाचकों सहित समाज की धर्मशाला के लिए भूमि अल्प राशि में देने वाले सोलीकों परिवार, शिव मंदिर की श्रृंगार समाज को दान करने वाले और उपरिख्यें व समाजजनों ने अदि चौराहा परिवार, समाज के पांडित जी की मांग नर्मदाओं को संस्कार करते हुए वाले अध्यक्षों संसंक्षेप, महिला मंडल को किया। नर्मदे हर के जययोग से

परिसर गुंज उठा।

इकाई अध्यक्ष अनिल गोते ने अध्यक्षीय भाषण के अर्शावाद से शहर की इकाई द्वारा आयोजित का उद्देश्य बताते हुए कहा शहर के बाहर अन्य गांवों में निवासरत समाजजनों से मेलजोल बढ़ाने के साथ आपस में सभी का परिचय होने के साथ संवाद व समन्वय स्थापित करना है। मेलजोल नहीं बढ़ेगा तो वर्डीयों की साथ लाकर नया आयोजन स्थापित करना है। उद्देश्य मंच से कार्यक्रम में उपरिख्यें विधायक सचिव बिरला से समाज के लिए 11 लाख रुपए व शहर के दो चौराहों में से किसी एक गुरु शंकराचार्य द्वारा रचित रथे जाने की मांग की।

विधायक बिरला ने कहा



ब्राह्मणों से ज्ञान मिलता है। राष्ट्रीय योगदान रहा है। मुझ पर में में परिवार पर शुरू से ब्राह्मणों का

निर्माण में ब्राह्मणों का अमूल्य

आशीर्वाद बना हुआ है। संबंधों, सभी आगे आकर अपनी सेवाएं दे। वह हमारा सौभाग्य है कि हम मां बच्चों का काम ब्राह्मण समाज कर रहा है। उद्देश्य के लिए धर्मशाला या सामूहिक भवन का निर्माण प्राथमिकता से किया जाना है। सकारा सभी समाजों के उद्यान के लिए कार्य कर रही है। विधायक ने इकाई अध्यक्ष की मांग पर 11 लाख रुपए देने की घोषणा की कि लेकिन इस राशि को उद्देश्य आगे बढ़ाते हुए कहा मेरी इच्छा 15 लाख रुपए देने की है। जिसे देने की घोषणा करता है। साथ ही नया अध्यक्ष व परिषद के माध्यम से नर्मदा चौराहा नामकरण किया जाने का समर्थन करता है। राष्ट्रीय जी के कार्य में

समाज के 40 से 45 सालों का संघर्ष बताते हुए कहा विपरित परिवर्तनों से लक्षकर समावद इकाई यहां तक पहुंचे हैं। सालीपुर धाम आश्रम के योगेश पांडे ने गुरुजी के 105 वें जन्मोत्सव पर होने वाले आयोजनों की जानकारी देते हुए कहा अपने बच्चों को संस्कार दे। यहीं ब्राह्मणों का कर्तव्य है। इसी प्रकार परशुराम बोर्ड के सदस्य राहें परसाई ने कहा विश्व में भारत और भारत में मां नर्मदा तर और उस तर पर बसे कलयुग में नार्मदीय ब्राह्मणजन। मां नर्मदा की संतान है नार्मदीय। राष्ट्रीय व कुल धर्म का पालन करें महासभा के अध्यक्ष अनिल शर्मा व महामंत्री सुनील शर्मा ने भी संबोधित किया।



महावीर इंटरनेशनल दलौदा केंद्र के नए पदाधिकारियों ने ली शपथ



कोषाधक्ष संजय चौधरी, संजय जैन के अधिकारी रत्नलाम-नीमच जैन के चेयरमैन राकेश जैन ने योगदान देने का आहान किया। शपथ अधिकारी रत्नलाम-नीमच जैन के चेयरमैन राकेश जैन ने सभी को संस्था की विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया। उद्देश्य से अप्रूवक भवतिसंह यात्रा के बुलाव कर अध्यक्ष का लेकर आया था। प्रकाश का कहना था कि 30 जुलाई 2023 को सड़क दुर्घटना में उसका एक पैर कट दिया गया है। उसके पारियां में माता-पिता और एक विकलांग वाई हैं, जिसके कारण परसाई के पालन पोषण की पूरी जिम्मेदारी उसे ही निधान पड़ता है। उसका संबल योजना का काढ बना हुआ है। लेकिन उसे अब तक इस योजना का लाभ नहीं होने से राष्ट्रीय विभाग द्वारा उसे केवल संतानों द्वारा ही जा रही थी।

निर्माण में योगदान देने का आहान किया। शपथ अधिकारी रत्नलाम-नीमच जैन के चेयरमैन राकेश जैन ने सभी को संस्था की विभिन्न जानकारियों से अवगत कराया। उद्देश्य से अप्रूवक भवतिसंह यात्रा के बाद वह 15 नवंबर 2018 से कावाल्यांयों के चक्र लगा रहा है, लेकिन उसे अब तक अनुकम्मा नियुक्त नहीं दी गई है। जनजीतीय कार्य विभाग द्वारा उसे केवल संतानों द्वारा ही जा रही थी।

कोषाधक्ष संजय चौधरी, संजय जैन के अधिकारी रत्नलाम-नीमच जैन के चेयरमैन राकेश जैन ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्था को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके बाद भावाना प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। नवीन पदाधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्थान के सामान नामकरण के लिए संस्था को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके बाद भावाना प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। नवीन पदाधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्थान के सामान नामकरण के लिए संस्था को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके बाद भावाना प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। नवीन पदाधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्थान के सामान नामकरण के लिए संस्था को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके बाद भावाना प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। नवीन पदाधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्थान के सामान नामकरण के लिए संस्था को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके बाद भावाना प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। नवीन पदाधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्थान के सामान नामकरण के लिए संस्था को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके बाद भावाना प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। नवीन पदाधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्थान के सामान नामकरण के लिए संस्था को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके बाद भावाना प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। नवीन पदाधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्थान के सामान नामकरण के लिए संस्था को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके बाद भावाना प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। नवीन पदाधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्थान के सामान नामकरण के लिए संस्था को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके बाद भावाना प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। नवीन पदाधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्थान के सामान नामकरण के लिए संस्था को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके बाद भावाना प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। नवीन पदाधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्थान के सामान नामकरण के लिए संस्था को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके बाद भावाना प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। नवीन पदाधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्थान के सामान नामकरण के लिए संस्था को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके बाद भावाना प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। नवीन पदाधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्थान के सामान नामकरण के लिए संस्था को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके बाद भावाना प्रार्थना गीत प्रस्तुत किया। नवीन पदाधिकारियों और संस्था के सदस्यों ने अतिथियों का माला पहनाकर संस्थान के सामान नामकरण के लिए संस्था को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरूआत भगवान महावीर स्तामी की तस्वीर पर अमलापूर्ण और दीप प्रज्ञल से हुई। इसके

